2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
हिन्दी (विशिष्ट)	0 0 1	हिन्दी

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र., भोपाल — BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH, BHOPAL

320- 1579279

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

-	2	0	4	1	3	5	5	0	0

शब्दों में

-	दो	शून्य	चार	एक	तीन	पांच	पांच	शून्य	शून्य

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 01 शब्दों में एक

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 11

ग :- परीक्षा का दिनांक 02 03 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा केन्द्र क्र. 412017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
दीपक रायकवार	(D.K. JAIN)

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्रापट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

...रीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

नोट :-

प्रायोगि... विषयों हेतु नियम

100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 ...

एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जावेंगे।

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के ... की प्रविष्टि करें। प्रश्न क्रमांक

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27

मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (1) का उत्तर

1 महादेवी वर्मा

कबीर दास

सुजान

सावन गीत

5 पाड़ीन के जंगल में

प्रश्न क्रमांक (2) का उत्तर

1 छायावाद

2 श्री कृष्ण

3 जल शोधन

तीन

5 गणेश शंकर विद्यार्थी

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (3) का उत्तर

1. असत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. असत्य
5. सत्य

प्रश्न क्रमांक (4) का उत्तर

1. सभी विपत्तियां का हरते हैं – गणेश जी
2. व्यंग्य की प्रधानता – नई कविता
3. मध्यम वर्गीय परिवार की समस्या – नये मेहमान
4. कंस की बहन – देवकी
5. गाय करवा की कहानी है – महात्मा गांधी

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (5) का उत्तर -

(1) मथुरा से योग सिखाने उद्धव आए थे।

(2) भय साध्य और असाध्य रूपों में हमारे सामने आता है।

(3) जहाँ किसी व्यक्ति या वस्तु लक्ष्य में रखकर अन्य के लिए बात कही जाए, वहाँ अनौचित अलंकार होता है।

(4) प्रयोगवाद का प्रारंभ 1943 में प्रथम 'तार सप्तक' के प्रकाशन के साथ हुआ।

(5) बसंत प्रसन्नता का भाव लेकर आता है।

प्रश्न क्रमांक (6) का उत्तर

(अथवा)

कृपण ने दही का दोना पीठ के पीछे छिपा लिया।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (7) का उत्तर -

चातक अपनी बोली के द्वारा विरही हृदय को चोट पहुँचा रहा है, इसलिए कवि ने चातक को घातक कहकर सम्बोधित किया।

प्रश्न क्रमांक (8) का उत्तर -

(अथवा)

'क्षणिक आतंक' से तात्पर्य तनिक देर के लिए आए हुए भय (बाधाओं) से है।

प्रश्न क्रमांक (9) का उत्तर -

केवट के अनुसार 'मगधुरि' के प्रभाव से शीला (पत्थर) भी स्त्री बन गयी थी।

प्रश्न क्रमांक (10) का उत्तर -

(अथवा)

साँझ सकारे भारत माता की आरती सूर्य और चन्द्रमा करते है।

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (11) का उत्तर-

अर्थहानि के भय के कारण व्यापारी व्यवसाय में हाथ नहीं डालते।

प्रश्न क्रमांक (12) का उत्तर-

(अथवा)

रेडीमेड अध्यक्ष अच्छे अध्यक्ष को कहा जाता है, जो सभी विषयों पर एक ही अंदाज में बात करते हैं।

प्रश्न क्रमांक (13) का उत्तर-

तात्या मानसिंह के मित्र थे। वे वर्ष भर दौड़ते-दौड़ते तात्या थक गए थे एवं वे अस्वस्थ होने के कारण अपने मित्र के संरक्षण में गए।

प्रश्न क्रमांक (14) का उत्तर-

उत्तराखंड के चारों धाम चार पवित्र नदियों के किनारे स्थित है- यमुनोत्तरी का मार्ग यमुना नदी के किनारे-किनारे, गंगोत्तरी का मार्ग गंगा नदी के किनारे-किनारे,

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

केदारनाथ का मार्ग मन्दाकिनी के किनारे-किनारे तथा बद्रीनाथ का मार्ग अलकनन्दा के किनारे-किनारे गया है।

प्रश्न क्रमांक (15) का उत्तर-

सरोवर में पानी भरा है।

कश्मीर का सौन्दर्य मनमोहक है।

प्रश्न क्रमांक (16) का उत्तर-

(अथवा)

छंद → "कविता के रचना विधान का नाम छंद है"

किसी निश्चित क्रम में गति का निर्वाह करते हुए जो भावपूर्ण रचना की जाती है उसके रचना विधान को छंद कहते है। यह दो प्रकार का होता है-

(i) मात्रिक शब्द छन्द
(ii) वर्णिक छन्द

कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (17) का उत्तर-

(अथवा)

माँ ने डॉ॰ रामकुमार वर्मा को पढ़ाई के संबंध मे निर्देशित करते हुए कहा- पढ़ाई में पहले दर्जे का ध्यान रखना चाहिए। अपने लक्ष्य के प्रति उसी एकाग्रता और समर्पण के साथ प्रयत्नशील रहना चाहिए, जिस प्रकार महाभारत काल में अर्जुन ने केवल चिड़िया की आँख पर लक्ष्य रखा था।

प्रश्न क्रमांक (18) का उत्तर-

(अथवा)

राष्ट्रभाषा → राष्ट्रभाषा भाषा का व्यापक रूप है जिसका व्यवहार समस्त राष्ट्र में होता है। राष्ट्रभाषा वस्तुत: देश की संस्कृति, देश के आदर्शों की अभिव्यक्ति करती है।

विशेषताएँ → 1. राष्ट्रभाषा विकसित होती है।

2. राष्ट्र भाषा को संविधान द्वारा मान्यता

योग

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्राप्त होती है।

राष्ट्रभाषा देश के बहुसंख्यक लोगो की भाषा होती है।

प्रश्न क्रमांक (19) का उत्तर -

श्लेष अलंकार → जहाँ एक ही बार प्रयुक्त हुए शब्द के एक ही स्थान पर दो या दो से अधिक अर्थ निकलते है, वहाँ श्लेष अलंकार होता है।

उदा० "रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे, मोति मानस चून ॥"

प्रश्न क्रमांक (20) का उत्तर -

प्रगतिवाद की विशेषताएँ → प्रगतिवाद की विशेषताएँ निम्नलिखित है -

(1) शोषको के प्रति विद्रोह और शोषितों से सहानुभूति →

प्रगतिवादी कवियों ने किसानो, मजदूरों पर किए जाने वाले पूँजीपतियों के अत्याचार के प्रति विरोध अपनी कविताओं में प्रकट किया

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

(२) आर्थिक व सामाजिक समानता पर बल ⇒ प्रगतिवादी कवियों ने आर्थिक व सामाजिक समानता पर बल देकर उच्च वर्ग और निम्न वर्ग के अंतर को समाप्त करने का प्रयास किया।

(३) नारी शोषण के विरुद्ध मुक्ति का स्वर ⇒ नारी को उपभोग की वस्तु न समझते हुए उसे सम्मानजनक स्थान प्रदान किया।

प्रगतिवाद के प्रमुख कवि एवं रचनाएँ

1. नागार्जुन - युगधारा, सतरंगे पंखो वाली
2. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' - कुकुरमुत्ता

प्रश्न क्रमांक (२१) का उत्तर -

(अथवा)

	नाटक	एकांकी
1.	नाटक में अनेक अंक होते हैं।	एकांकी में एक ही अंक होता है।

2 नाटक में गौण कथाएं भी जुड़ी होती है।	एकांकी में एक ही कथा, घटना होती है।
नाटक की विकास प्रक्रिया धीमी गति से होती है।	एकांकी का कथानक आरंभ से ही लक्ष्य की ओर द्रुत गति से बढ़ता है।
नाटक के कथानक में फैलाव और विस्तार होता है।	एकांकी के कथानक में घनत्व होता है।

अशोक नाटक सम्राट - 'जयशंकर प्रसाद'
रचना - चन्द्रगुप्त, स्कन्दगुप्त

एकांकी - जयशंकर प्रसाद - एक घूँट

प्रश्न क्रमांक (22) का उत्तर -

साहित्यिक परिचय - 'तुलसीदास'

(भक्तिकाल के राम भक्ति शाखा के प्रमुख कवि)

अ) दो रचनाएँ -

महाकाव्य - रामचरित मानस
विनय पत्रिका
गीतावली, जानकी मंगल, पार्वती मंगल
आदि आपकी प्रमुख रचनाएँ है।

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD

प्रश्न क्र.

(ब) भाव पक्ष → आपके भावपक्ष की विशेषताएँ निम्नलिखित है -

(i) भक्ति भावना → तुलसीदास राम के भक्त थे। राम के प्रति उनकी भक्ति सेवक भाव की थी। राम ही उनका एक मात्र बल, एक मात्र आशा और एक मात्र विश्वास थे।

जैसे -

> "एक भरोसो, एक बल, एक आस- विश्वास।
> एक राम घनस्याम हित, चातक तुलसीदास ॥"

B S E

(ii) समन्वयवादी दृष्टिकोण ⇒ तुलसीदास जी का दृष्टिकोण अत्यंत व्यापक एवं समन्वयवादी था। उन्होंने राम का भक्त होते हुए भी अन्य देवी देवताओं की वन्दना की। वे प्रत्येक धर्म-पद्धति को ईश्वर प्राप्ति का साधन मानते है।

(iii) श्रेष्ठ रस योजना ⇒ तुलसीदास जी शांत, श्रृंगार, वीर आदि रसों का समावेश किया। उन्होंने श्रृंगार के दोनो पक्षो का सुंदर चित्रण प्रस्तुत किया।

प्रश्न क्र.

कलापक्ष → आपका कलापक्ष निम्नानुसार है -

(i) **भाषा** → आपकी भाषा मुख्य रूप से "अवधी" भाषा है। आपने रामचरित मानस अवधी भाषा में तथा विनयपत्रिका ब्रज भाषा में लिखी।

(ii) **शैली** → आपने प्रचलित सभी काव्य शैलियों शैलियों में काव्य रचना की।

(iii) **अलंकार** → आपने उपमा, अनुप्रास, रूपक, आदि अलंकारों का प्रयोग किया।

(iv) **साहित्य में स्थान** → तुलसीदास लोक कवि हैं। उनके काव्य से जीवन जीने की कला ज्ञात की जा सकती है। अयोध्या सिंह उपाध्याय ने तुलसीदास जी के बारे में लिखा है -

"कविता करके तुलसी न लसै, कविता लसि या तुलसी की कला"

विशेष :- 'भक्तिकाल के प्रमुख कवि'
'अवधी भाषा के कवि'।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (23) का उत्तर-

"आचार्य रामचन्द्र शुक्ल"

(अ) दो रचनाएँ

→ रस-मीमांसा, हिन्दी साहित्य का इतिहास, चिन्तामणि आदि आपकी प्रमुख रचनाएँ है।

(ब) भाषा

→ आपकी भाषा सरल, सुस्थिर, बोधगम्य खड़ी बोली है। आपकी भाषा में सोष्ठव है। उसमें गंभीर विवेचन की अपूर्व शक्ति है। आपकी भाषा में व्यर्थ का शब्दाम्बु शब्दाडम्बर नहीं है। भाषा की कसी फसावट के कारण उसमें समास शक्ति पाई जाती है। कहीं-कहीं तो भाषा सूक्तिमय बन गयी है -
जैसे - "बैर क्रोध का आचार या मुरब्बा है"

शैली

→ आप अपनी शैली के स्वयं निर्माता है आपके शैली के निम्न रूप दिखाई देते है -

(i) समीक्षात्मक शैली

→ आपने व्यवहारिक, समीक्षात्मक एवं समालोचनात्मक निबंधो में इस शैली का प्रयोग किया। इस शैली के वाक्य छोटे, संयत गंभीर है।

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

(ii) गवेषणात्मक शैली ⇒ आपने अनुसंधानपरक तथा सैद्धांतिक समीक्षा संबंधी निबंधों में इस शैली का प्रयोग किया। यह शैली कुछ सीमा तक दुरूह और गंभीर है।

(iii) भावात्मक शैली ⇒ इस शैली के वाक्य कहीं-कहीं छोटे तथा कहीं-कहीं लम्बे हैं। भाषा कुछ-कुछ अलंकारिक हो गई।

(iv) हास्य-व्यंग्यात्मक शैली ⇒ आपने मनोविकारात्मक निबंधों में यत्र-तत्र ही इस शैली का प्रयोग किया क्योंकि हास्य व्यंग्य आपकी भाषा प्रमुख अंग नहीं है।

(स) साहित्य में स्थान ⇒ रचनाशीलता और क्रियाशीलता से सज आपके व्यक्तित्व और कृतित्व की हिन्दी जगत में विशिष्ट छाप है। आप युग प्रवर्तक निबंधकार हैं।

विशेष -
(i) खड़ी बोली का प्रयोग।
(ii) विभिन्न शैलियों का प्रयोग।
(iii) युग प्रवर्तक निबंधकार।

P.T.O.

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (24) का उत्तर -

"माटी कहै _ _ _ _ _ _ _ _ _
कछु न आया हाथ ॥ "

(i) सन्दर्भ ⇒ प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'नवनीत' के 'अमृतवाणी' शीर्षक से उद्धृत लिया गया है। जिसके कवि 'कबीर' है।

B
S
E

(ii) प्रसंग ⇒ प्रस्तुत पद्यांश में कबीर ने गूढ़ रहस्यवा को प्रस्तुत किया।

(iii) व्याख्या ⇒ कबीर कहते हैं कि जिस प्रकार मनुष्य मिट्टी को रौंद कर प्रसन्न हो रहा है उसी तरह एक दिन मिट्टी मनुष्य को रौंद देगी। अर्थात मनुष्य का मिट्टी का चोला मिट्टी में ही मिल जाएगा। हमारा शरीर मिट्टी के कच्चे घडे के समान है यह पानी के गिरने से टूट जाएगे और हाथ कुछ भी नहीं आएगा।

(iv) विशेष ⇒
(i) सधुक्कड़ी भाषा
(ii) गूढ़ रहस्यवाद को प्रकट किया
(iii) प्रबंध एवं मुक्तक शैली

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (२६) का उत्तर -

(अथवा)

" यह संसार क्षणभंगुर - - - - - - - - - - - - सह रही है "

(i) सन्दर्भ => प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'नवनीत' के 'खेल' कहानी से लिया गया है, जिसके लेखक जैनेन्द्र कुमार है।

(ii) प्रसंग => प्रस्तुत गद्यांश में संसार की क्षणभंगुरता के बारे में लेखक अवगत कराना चाहता है।

(iii) व्याख्या => प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक कहना चाहता है कि यह संसार क्षणभंगुर है। मनुष्य संसार की क्षणभंगुरता को जानते हुए भी उसके पीछे दौड़ता है। लेखक कहते है कि इस संसार में शोक, दुःख और सुख को कोई स्थान नहीं। यह संसार बहते हुए पानी में बानी के बुलबुले के समान है। यह बुलबुला अत्यंत आकर्षक लगता है किंतु यह कुछ समय बाद नष्ट हो जाता है। यह ब्रम्हाण्ड ब्रम्हा का है और अंत में उसी में लीन हो जाएगा।

P.T.O.

MDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD

प्रश्न क्र.

(iv) विशेष → (i) सरल, सुबोध भाषा
(ii) मुहावरे एवं लोकोक्तियों का प्रयोग

जैनेन्द्र कुमार आधुनिक 'प्रेमचंद्र' के रूप में विख्यात है।

प्रश्न क्रमांक (26) का उत्तर-

(i) "कर्मठता"

(ii) सही श्रम तो वही है जो कुछ ठोस परिणाम देता है।

उपर्युक्त गद्यांश का सारांश यह है कि कर्मठता सतत् प्रयत्न का नाम है। श्रम का अर्थ केवल पसीना बहाना नहीं बल्कि ठोस परिणाम देना है। शिक्षण का सही उद्देश्य कर्मठ जनों निर्माण करना है

BSE

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 19 के अंक | कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (27) का उत्तर

सेवा में,
सचिव,
माध्यमिक शिक्षा मण्डल,
भोपाल (म.प्र.)

विषय - अंग्रेजी विषय की उत्तर-पुस्तिकाओं के पुनर्गणना हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,

विनम्र निवेदन हैं, कि मैंने हायर सेकेण्डरी की कक्षा वर्ष 2018-2019 में पास की। लेकिन मेरे अंग्रेजी विषय के अंक मेरी इच्छानुसार एवं मेहनत से कम प्राप्त हुए। मुझे अंग्रेजी विषय में इतने कम अंकों की अपेक्षा नहीं थी

अतः श्री मान जी आपसे निवेदन हैं, कि मुझे अंग्रेजी की उत्तर-पुस्तिका के पुनर्गणना हेतु सहमति प्रदान करें।

(धन्यवाद)

आपका आज्ञाकारी
नाम - क, ख, ग
रोल नं. -
स्थान -

दिनांक - 02.06.2019

B S E

P.T.O.

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (24) का उत्तर-

(अ) "विज्ञान और मानव जीवन"

रूपरेखा -

1. प्रस्तावना,
2. विज्ञान के बढ़ते चरण,
3. विज्ञान की उपयोगिता -
(i) शिक्षा के क्षेत्र में
(ii) आवागमन के क्षेत्र मे
(iii) चिकित्सा के क्षेत्र में
4. विज्ञान से मानव जीवन पर हानि
5. उपसंहार

" दूर तारों से किया सम्पर्क हमनें पर पड़ोसी
न हँस बोल पाए हम।
सरल जीवन से रहा न वास्ता,
दुश्वारियों को दौड़कर मोल लाए हम "

1. प्रस्तावना → आज का युग विज्ञान का युग है। विज्ञान आज जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। विज्ञान के बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। विज्ञान आज हमारे जीवन

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

में कई प्रकार के खेल-खिलौने, आवागमन के साधन, फ्रिज, टी.वी. आदि लेकर आया है। इन सब चिजों ने मानव को अपना दास बनाना शुरू कर दिया। अत: आज विज्ञान ने मानव जीवन में सबका स्थान ले लिया है। विज्ञान ने अपना चारो विकास कर अपना महत्व सिद्ध कर दिया है।

२. विज्ञान के बढ़ते चरण => विज्ञान नित्य नए-नए प्रयोगो को जन्म देता है। वह प्रतिदिन ~~लगातार~~ लगातार नई-नई खोजों और अविष्कारों का सफल प्रयोग करता है। विज्ञान ने आज हर असंभव चीज को संभव बनाने का प्रयास किया। विज्ञान ने ब्रम्हाण्ड तक मे अपनी उपयोगिता सिद्ध की। आज मानव ने चन्द्रमा तक पर अपना पैर रख दिया। यह सब संभव किया विज्ञान ने। विज्ञान के अंतर्गत नैनोटेक्नोलॉजी एक अतिसूक्ष्म दुनिया है। नैनोटेक्नालाजी ने सुपर कम्प्युटर को आकार एवं अन्य क्षमताएं प्रदान की।

विज्ञान की एक ओर देन है- इंटरनेट

आज हम इंटरनेट के माध्यम से कई प्रकार की गतिविधियों को देख सकते है और उनसे जुड़ सकते है।

P.T.O.

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

3. विज्ञान की उपयोगिता ⇒ विज्ञान लगभग सभी क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता प्रमाणित कर रहा है। जैसे -

(i) शिक्षा के क्षेत्र में ⇒ विज्ञान ने शिक्षा के क्षेत्र में नई टेक्नोलॉजी का विकास किया। उससे प्रत्येक विद्यार्थी को साथ जोड़ने का प्रयास किया। विज्ञान ने शिक्षा के क्षेत्र में नए-नए सपनों को साकार करने का प्रयास किया। कम्प्युटर के माध्यम से आज विशेषज्ञ विद्यार्थी को योग्यता भी दी जाती है। ताकि विद्यार्थी केवल उस बात को पढ़कर सीखने के बजाए उसकी योग्यता और दक्षताओं के बारे में सीखें।

(ii) आवागमन के क्षेत्र में ⇒ विज्ञान ने आवागमन के क्षेत्र में अनेक प्रकार के यातायात वाहनों का विकास किया। जिनके माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान तक बहुत ही कम समय और सावधानी पूर्वक पहुँचा जा सकता है। आज विज्ञान ने अनेक प्रकार के हवाई जहाज, एरोप्लेन आदि का विकास कर आश्चर्यजनक परिणाम प्रस्तुत किए।

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

B S E

(iii) चिकित्सा के क्षेत्र में ⇒ चिकित्सा के क्षेत्र में भी भारत में विज्ञान ने अपने प्रयोगों द्वारा चमत्कार उत्पन्न कर दिया। आज एक्स-रे के माध्यम से शरीर के अंदर स्थित हड्डी का पात पता लगाया जा सकता है। आज विभिन्न प्रकार की मशिनों का उपयोग करते हुए अनेक प्रकार की बिमारियों का पता लगाया जा सकता है। नैनो टेक्नोलॉजी के तहत 'गोल्ड ट्यूमर बैक्टेरीया' सेल्स का निर्माण किया जा रहा है जो कैंसर की प्रक्रिया को परिवर्तित कर देगा। नैनो टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए एक ऐसी कलाई घड़ी का निर्माण किया जा रहा है जो मनुष्य के अन्दर उपस्थित अनेक प्रकार की बिमारियों का पता लगाने में सक्षम होगी। जिससे मानव की आयु में वृद्धि होगी। मानव जीवन को बिमारियों के प्रति पहले से ही जानकारी प्राप्त होगी।

4. विज्ञान से मानव जीवन पर हानि ⇒ जहाँ एक ओर विज्ञान हमारे लिए लाभदायक है, वहीं दूसरी ओर हानिकारक भी। आज के युग में जहाँ विज्ञान ने हमारी सहायता के लिए अत्याधुनिक मशिनों का निर्माण किया वहीं दूसरी ओर अनेक संकटो

P.T.O.

प्रश्न क्र.

को हमारे सामने उपस्थित कर दिया। आज कृषि में विभिन्न प्रकार के किटनाशक दवाओं का प्रयोग किया जाता है जिसका प्रभाव मानव के स्वास्थ्य पर तो पड़ता ही है साथ ही यह अनेक प्रकार जीव जंतुओं की भी रक्षा करता है। आज के वैज्ञानिक उपकरण जहां उपयोगी सिद्ध हुए वहीं उन्होंने अनेक लोगों को मृत्यु भी प्रदान की। आज वैज्ञानिक खँव अनुसंधानों से निकले वाले रेडियोधर्मी पदार्थ पर्यावरण को प्रदूषित कर रहे हैं। पर्यावरण प्रदूषण मानव स्वास्थ्य पर अपना अच्छा खासा प्रभाव दिखाता है। अनेक प्रकार की किरणों के कारण मनुष्य को कैंसर आदि घातक रोगों ने घेर लिया।

B
S
E

5. उपसंहार ⇒ आज वर्तमान युग विज्ञान का युग है, लेकिन हमें विज्ञान का दास न बनकर विज्ञान को अपना दास बनाना होगा विज्ञान जिस प्रकार हमारी आवश्यकताओं को पूर्ण करता है, वहीं दूसरी और हमारे लिए हानिकारक भी है। जिस प्रकार विष, डॉक्टर के हाथ लगने पर जीवनरक्षक बन जाता है तथा दूसरे हिंसक लोगो के हाथ लगने से वह अनेक निर्दोष लोगों की जान ले लेता है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

2020

4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	: विषय कोड :	परीक्षण का माध्यम :	परीक्षा का दिनांक
हिन्दी (विशिष्ट)	: 0 0 1 :	हिन्दी	0 2 0 3 2020

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा
हायर सेकेण्डरी परीक्षा
केन्द्र क्र. 412017

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर
दीपक राठकार

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
K. JAIN)

मुख्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ क्रमांक ..... तक कुल प्राप्तांक

उसी प्रकार विज्ञान भी है। हमें विज्ञान के साथ मित्रता का भाव तोड़कर उसे अपना दास बनाना होगा। हमें पूरे विश्व को साथ रहकर ही प्रयास करना चाहिए। कवि ने ठीक कहा है- "कोई नहीं पराया मेरा, घर सारा संसार है।
मैं कहता हूँ जिओ और जिने दो संसार को"

B S E

पृष्ठ के अंकों का योग

P.T.O.

(ब) प्रश्न क्रमांक (28) का उत्तर-

(iv) "जल ही जीवन है।"

खपरेखा -

1. प्रस्तावना,
2. जल के प्रमुख स्त्रोत,
3. जल का अभाव,
4. जल समस्या का समाधान,
5. जल का महत्व,
6. उपसंहार।

"जल ही जीवन, जल से जीवन।
जल जीवन का दाता है, जल संरक्षण कर ले
मानव जल ही भाग्य निर्माता है।।"